

सहकारी कय-विकय योजना

कृषकों को परम्परागत बिचौलियों के शोषण से मुक्त कराते हुए उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाने एवं उनके आर्थिक हितों की सुरक्षा करने के उद्देश्य से सहकारी कय-विकय समितियों का गठन किया गया है। कय-विकय योजनान्तर्गत प्रदेश स्तर पर उ०प्र० कोआपरेटिव फेडरेशन लि० (पी०सी०एफ०) का गठन किया गया है, जो कृषि उपजों का कय-विकय, विधायन, चीनी वितरण, उर्वरक/बीज वितरण तथा मूल्य समर्थन योजना में स्टेट एजेंट के रूप में कार्य करते हुए समितियों/केन्द्रों के माध्यम से कृषि उपजों की खरीद करता है। जनपद स्तर पर 58 जिला सहकारी संघ गठित हैं, जिनके द्वारा जनपद स्तर पर कृषि उपजों का कय-विकय, उर्वरक / बीज वितरण, तथा मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत कृषकों की कृषि उपजों की खरीद की जाती है। इसी प्रकार तहसील स्तर पर 258 सहकारी कय-विकय समितियों का गठन किया गया है, जो उर्वरक/बीज वितरण एवं मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत कृषकों की कृषि उपजों को उचित मूल्य पर खरीदती है। इनके द्वारा वर्ष 2012-13 से 2017-18 तक किये गये व्यवसाय का विवरण अधोलिखित है:-

(धनराशि लाख रू० में)

वर्ष	पी०सी०एफ०	डी०सी०एफ०	कय-विकय सहकारी समितियाँ
2012-13	570862.00	30378.11	24619.00
2013-14	455480.00	27991.00	20524.00
2014-15	515977.00	17587.00	13585.00
2015-16	523382.00	29843.00	25902.00
2016-17	398466.00	25054.00	15892.00
2017-18	490475.00	9556.00	13081.49

2- कृषकों को उनकी उपजों का उचित मूल्य दिलाने एवं बिचौलियों के शोषण से उन्हें मुक्त कराने के उद्देश्य से कय-विकय योजनान्तर्गत मूल्य समर्थन योजना का संचालन किया जाता है, जिसमें कृषकों से उनकी प्रमुख उपज-गेहूँ एवं धान की खरीद की जाती है। मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत वर्ष 2012-13से वर्ष 2017-2018 तक की गयी धान/गेहूँ खरीद का विवरण अधोलिखित है:-

(मात्रा मै० टन में)

वर्ष	गेहूँ	धान
2012-13	2045570.451	598366.106
2013-15	477446.000	253034.000
2014-15	407085.000	492815.000
2015-16	1041374.000	892502.669
2016-17	455066.366	249371.132
2017-18	1925004.877	1269935.445

17/04/2018